nwda.gov.in

देश में पानी की स्थिति हुई बेहतर, बढ़ गया रिचार्ज और सुधरा दोहन

मनीष तिवारी • नई दिल्ली

73 प्रतिशत आकलन यूनिट सुरक्षित स्तर पर, 6,553 में से 736 अति दोहित की श्रेणी में

- रिचार्ज में पिछले वर्ष की अपेक्षा 11.48 बिलियन क्यूबिक मीटर की बढ़ोतरी

पानी पर अच्छी खबर यह है कि देश में भूजल रिचार्ज भी बढ़ रहा है और पानी के दोहन के मामले में भी स्थिति कुछ बेहतर हुई है। इस साल जल शक्ति मंत्रालय की भूजल संसाधन आकलन रिपोर्ट यह संकेत देती है कि जल संरक्षण के लिए सरकारी, संस्थागत, सामुदायिक और लोगों के स्तर पर किए गए प्रयासों के अच्छे नतीजे आए हैं। शुक्रवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह रिपोर्ट जारी की।

2023 की आकलन रिपोर्ट के अनुसार, पूरे देश में कुल वार्षिक भूजल रिचार्ज 449.08 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है। पिछले वर्ष के मुकाबले यह 11.48 बीसीएम अधिक है। वार्षिक उपलब्ध जल संसाधन 407.21 बीसीएम और पूरे देश में वार्षिक भूजल दोहन 241.34 बीसीएम है। पिछले वर्ष उपलब्ध जल संसाधन 398.08 बीसीएम था। इस तरह अगर भूजल दोहन स्टेज की बात की जाए तो इस वर्ष यह प्रतिशत 59.26 है। यह भी पिछले वर्ष के स्तर (60.08) से बेहतर स्थिति है। भूजल दोहन स्टेज की गणना सभी तरह के इस्तेमाल के लिए पानी के दोहन और वार्षिक उपलब्ध भूजल के अनुपात में सौ से गुणा करके की जाती है। रिचार्ज के लिहाज से जिन राज्यों ने अच्छा प्रदर्शन किया है, उनमें बंगाल, असम, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात और बिहार हैं।

इस बार 6,553 आकलन यूनिटों के जरिये भूजल स्तर को नापा गया है। इनमें से 736 (11 प्रतिशत) को अति दोहित यूनिट की श्रेणी में रखा गया है, जबकि 4,793 यूनिट सुरक्षित श्रेणी में हैं। यानी 73 प्रतिशत यूनिट सुरक्षित स्थिति में हैं। डार्क जोन जैसी पहचान को समाप्त कर मंत्रालय अब सुरक्षित, कम खतरे वाली, खतरे वाली तथा अति दोहित श्रेणी के आधार पर यूनिटों का वर्गीकरण करता है। जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुबोध यादव के अनुसार, यह आकलन देश के जल संसाधनों को समझने और उसके अनुरूप नीति-निर्धारण के लिहाज से बेहद अहम है। हम अब वार्षिक आधार पर यह आकलन कर रहे हैं और केंद्र व राज्यों के समग्र प्रयासों से स्थिति बेहतर हो रही है। एक वेब आधारित एप्लीकेशन इंडिया-ग्राउंड वाटर रिसोर्स एस्टीमेशन सिस्टम (इन-ग्रेस) भी विकसित किया गया है ताकि हमें कहीं तेजी से तथा सटीक आकलन मिल सकें। आकलन यह भी बताता है कि 2022 के मुकाबले 226 आकलन यूनिटों में भूजल की स्थितियों में सुधार हुआ है। सुरक्षित यूनिटों में 301.80 बीसीएम पानी उपलब्ध है। यह कुल उपलब्ध जल संसाधन का 74.11 प्रतिशत हुआ। बोर्ड और राज्यों के साझा प्रयासों से इस तरह के आकलन इसके पहले 1980 से अब तक नौ बार किए जा चुके हैं।